CALL@7235808541

An initiative of VISIONIAS INSPIRING INNOVATION
Galaxy rGoal

# लक्षद्वीप

## चर्चा में क्यों ?

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू लक्षद्वीप की यात्रा पर हैं ।

## परिचय

- लक्षद्वीप, भारत के दक्षिण-पश्चिमी तट से 200 से 440 किमी दूर लक्षद्वीप सागर में स्थित एक द्वीपसमूह है।
- पहले इन द्वीपों को लक्कादीव-मिनिकॉय-अमीनदीवी द्वीप के नाम से जाना जाता था।
- यह द्वीपसमूह भारत का एक केन्द्र शासित प्रदेश है।
- इसकी राजधानी कवरत्ती है ।

## लक्षद्वीप में आर्थिक एवं पर्यावरणीय विकास की संभावनाएं

- द्रौपदी मुर्मु ने कहा है कि लक्षद्वीप में स्थानीय समुदाय, महिला स्वयं सहायता समूह, सहकारी समितियों और निजी उद्यमियों की भागीदारी से समुद्री शैवाल उद्योग के विकास की बड़ी संभावना है।
- इससे दवा और होटल उद्योगों के आयात बिलों में कमी आएगी।
- उन्होंने कहा कि द्वीपसमूह अगले पांच वर्षों में देश की समुद्री शैवाल का केन्द्र बन सकता है।

## लक्षद्वीप में आर्थिक एवं पर्यावरणीय विकास की संभावनाएं

- राष्ट्रपति ने कहा कि लक्षद्वीप के नीले लैगून में देश का पहला वाटर विला बनाया जाएगा, जिससे पर्यटन को काफी बढ़ावा मिलेगा।
- विकास के साथ प्रकृति के संरक्षण पर विशेष जोर दिया जा रहा है और इस तरह की अनोखी पहल पूरी दुनिया के लिए इको-टूरिज्म के मॉडल के रूप में उभर सकती है।

## लक्षद्वीप में आर्थिक एवं पर्यावरणीय विकास की संभावनाएं

- नीति आयोग के तत्वावधान में कदमत, मिनिकॉय और सुहेली द्वीपों में एंकर परियोजनाओं के रूप में उच्च-पर्यावरणीय पर्यटन परियोजनाएं विकसित की जा रही हैं।
- राष्ट्रपति ने अमिनी और कल्पेनी द्वीपों के लिए अलवणीकरण परियोजनाओं का भी उद्घाटन किया, जिनमें से प्रत्येक में प्रतिदिन डेढ़ लाख लीटर पेयजल का उत्पादन करने की क्षमता है।